

---

# Shiva Stuti or Shiva Stavaraja

---

## शिवस्तुतिः अथवा शिवस्तवराजः

---

### Document Information

Text title : shivastutiH 14

File name : shivastutiH14.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Author : lakShmaNadeshikendrabhaTTAraka

Transliterated by : Parameshwar Puttanmane

Proofread by : Parameshwar Puttanmane

Latest update : May 18, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 20, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

शिवस्तुतिः अथवा शिवस्तवराजः



धरापोऽग्निर्मरुद्धोममखेशेन्द्रकर्मूर्तये ।  
सर्व भूतान्तरस्थाय शङ्कराय नमो नमः ॥ १ ॥  
श्रुत्यन्तः कृतवासाय श्रुतये श्रुतिजन्मने ।  
अतीन्द्रियाय महसे शाश्वताय नमो नमः ॥ २ ॥  
स्थूलसूक्ष्मविभागाभ्यामनिर्देश्याय शम्भवे ।  
भवाय भवसम्भूत दुःखहन्त्रे नमोऽस्तुते ॥ ३ ॥  
तर्कमार्गातिदूराय तपसां फलदायिने ।  
चतुर्वर्गवदन्याय सर्वज्ञाय नमो नमः ॥ ४ ॥  
आदिमध्यान्तशून्याय निरस्ताशेषभीतये ।  
योगिध्येयाय महते निर्गुणाय नमो नमः ॥ ५ ॥  
विश्वात्मने विचिन्त्याय विलसच्चन्द्रमौलिने ।  
कन्दर्पदर्पकालाय कालहन्त्रे नमो नमः ॥ ६ ॥  
विषाशनाय विहरद् वृषस्कन्दमुपेयुषे ।  
सरिद्धामसमाबद्धकपर्दाय नमो नमः ॥ ७ ॥  
शुद्धाय शुद्धभावाय शुद्धानामन्तरात्मने ।  
पुरान्तकाय पूर्णाय पुण्यनाम्ने नमो नमः ॥ ८ ॥  
भक्ताय निजभक्तानां भुक्तिमुक्तिप्रदायिने ।  
विवाससे विवासाय विश्वेशाय नमो नमः ॥ ९ ॥  
त्रिमूर्तिमूलभूताय त्रिणेत्राय नमो नमः ।  
त्रिधाम्नां धामरूपाय जन्मघ्नाय नमो नमः ॥ १० ॥  
देवासुरशिरोरत्न किरणारुणिताङ्गये ।  
कान्ताय निजकान्तायै दत्तार्थायै नमो नमः ॥ ११ ॥

स्तोत्रेणानेन पूजायां प्रीणयेज्जगतः पतिम् ।  
भुक्तिमुक्तिप्रदं भक्त्या सर्वज्ञं परमेश्वरम् ॥ १२ ॥

तस्यासाध्यं त्रिभुवने न किञ्चिदपि वर्तते ।  
ऐहिकं किं फलं तत्र मुक्तिरेव करेस्थिता ॥ १३ ॥


इति श्रीमहामहेश्वराचार्य श्रीलक्ष्मणदेशिकेन्द्रेण विरचिता  
शिवस्तुतिः (अथवा शिवस्तवराजः) समाप्ता ।

Encoded and proofread by Parameshwar Puttanmane poornapathi at  
gmail.com

---

——  
*Shiva Stuti or Shiva Stavaraja*

pdf was typeset on May 20, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

